

संपादकीय

पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता

दो राज्यों में आए चुनाव नतीजों को जर्मनी में अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के लिए मजबूत संकेत समझा गया है। इस तरह फ्रांस के बाद अब जर्मनी में भी पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता नजर आ रहा है।

जर्मनी के दो बड़े राज्यों में आए चुनाव नतीजों के उठे झटके पूरे यूरोप तक गए हैं। दोनों राज्यों में राष्ट्रीय सत्ताधारी गठबंधन में शामिल तीनों पार्टियों की बुरी हार हुई है, जबकि एक राज्य- थुरिंगिया में धुर-दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर डॉयशलैंड (एफएफडी) पहले नंबर पर आ गई है। दूसरे राज्य सैक्सनी में भी ये पार्टी पहले नंबर पर रही किंशियन डेमोक्रेटिक पार्टी से सिर्फ लगभग डेढ़ प्रतिशत वोटों से पीछे रहते हुए दूसरे स्थान पर रही। अन्य महत्वपूर्ण रुझान नई बनी वामपंथी पार्टी वीएसडब्ल्यू का दोनों राज्यों में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाना है। वीएसडब्ल्यू ने पारंपरिक वामपंथी पार्टियों- सोशल डेमोक्रेट्स और डाइ लिंके को हाथिये पर धकेल दिया है। 22 सितंबर को जर्मनी के एक अन्य राज्य में चुनाव होने वाला है। जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक वहां भी इन्होंने दोनों राज्यों जैसा नतीजा रहने का अनुमान है। इन रुझानों को जर्मनी में अगले साल होने वाले राष्ट्रीय चुनाव के लिए मजबूत संकेत समझा जा रहा है। इस तरह फ्रांस के बाद अब जर्मनी में भी पारंपरिक दलों का वर्चस्व टूटता नजर आ रहा है। जर्मनी यूरोप में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और यह वहां की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है।

स्वाभाविक रूप से जर्मनी से मिले संकेतों से पूरे यूरोप में हलचल मचंगी। कॉर्रप्टर एवं वित्तीय क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि ऐसी दो पार्टियां तेजी से उभर रही हैं, जो साढ़े तीन दशक से जारी नीतिगत आम सहमति को चुनौती देती रहीं हैं। ये दोनों पार्टियां यूक्रेन युद्ध के लिए अमेरिका को जिम्मेदार मानती हैं और रूस से निकट संबंध बनाने की पेशकश हैं। उन्हें मिली सफलता को जर्मनी में तेजी से फैली युद्ध विरोधी भावना के इजहार के रूप में देखा गया है। समझा जाता है कि यूक्रेन युद्ध के बाद से जर्मनी में जारी ऊर्जा एवं औद्योगिक संकटों से परेशान मतदाताओं ने सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दलों को इन चुनावों में दंडित किया है। साथ ही दोनों उभरी पार्टियां आत्रजन विरोधी हैं, हालांकि ऐसा करने के उनके तर्क अलग-अलग हैं। उनके इस रुख का भी व्यापक असर हुआ दिखता है।

यूएस ओपन 2024 : जैनिन सिनर ने जीता खिताब, फाइनल में टेलर फ्रिट्ज को दी शिकस्त

नई दिल्ली

विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जैनिन सिनर ने यूएस ओपन का खिताब जीता है। उन्होंने पुरुषों के एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हरा दिया। वह यूएस ओपन को जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने हैं। इसके साथ-साथ यह सिनर का इस साल दूसरा ग्रैंड स्लैम है। उन्होंने साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

हराया था इसके बाद अपने दूसरे मैच में उन्होंने अमेरिका के ही एलेक्स मिशेलसन को सीधे सेटों में हराया था। अपने तीसरे और चौथे मुकाबले में उन्होंने क्रमशः क्रिस्टोफर ओकेनेल और टॉमी पॉल पर आसान जीत दर्ज की थी। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने डेनियल मेदेवेवे को 6-2, 1-6, 6-1, 6-4 से और सेमीफाइनल में जैक ड्रेपर को 7-5, 7-6, 6-2 से शिकस्त दी थी।



ग्रैंड स्लैम जीतने के अलावा वह कुछ और प्रमुख खिताब भी जीत चुके हैं। 2024 में उन्होंने मियामी ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने बुलारिया के ग्रिगोर दिमित्रीव को 6-3, 6-1 से हराया था। इसके बाद आगस्त 2024 में सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में उन्होंने फ्रांसेस टियाफो को 7-6(4), 6-2 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

सिनर ने ये खिताब जीतने के बाद सोशल मीडिया पर भी खुशी व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, दो हफ्तों के शानदार प्रदर्शन के बाद अपना दूसरा स्लैम खिताब जीतना अविश्वसनीय है। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। मुझे यह खेल बहुत पसंद है और यह मेरे लिए सब कुछ है। साल के अंत में अपनी टीम और अपने परिवार के साथ इस पल का आनंद लेने का समय आ गया है।

आलिया भट्ट की जिगरा का टीजर ट्रेलर आउट, भाई के लिए जंग लड़ती दिखी एक्ट्रेस

निदेशक वासन बाला की नई क्राइम थ्रिलर जिगरा का टीजर जारी कर दिया गया है। इसमें एंग्री यंग वुमन बनी आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। जिगरा का मूड टीजर रिलीज किया गया और इसने नेटिजन्स को खूब प्रभावित किया है। टीजर की शुरुआत एक भावुक सीन से होती है, जहां आलिया का बैकग्राउंड दिखाया जाता है कि किस तरह वो माता-पिता के बिना बड़ी हुई। वो अपने संघर्षों के बारे में बताती हैं। आलिया यह जानकर टूट जाती है कि उसका एकमात्र परिवार, उसका भाई वेदांग रैना जेल में बंद है। जैसे-जैसे टीजर



आगे बढ़ता है ये देखना को मिलता है कि आलिया उसे छुड़ाने के लिए क्या-क्या करती है। टीजर में मशहूर गाना फूलों का तारों का भी इस्तेमाल किया गया है और इसमें आलिया को वेदांग रैना को छुड़ाने के लिए हरसंभव कोशिश करते हुए दिखाया गया है। टीजर में कई हाई-ऑक्टन एक्शन सीक्वेंस

और हाथापाई के दृश्य हैं, जिसमें आलिया काफी सॉलिड लग रही है। एक सीन में आलिया अमिताभ बच्चन का जिक्र करते हुए कहती हैं कि वह अगली एंग्री यंग वुमन हैं। टीजर के सामने आते ही कई नेटिजन्स इसकी तारीफें करने लगे हैं। कुछ प्रशंसकों ने वसन बाला और आलिया भट्ट को एक क्लार जोड़ी कहा है। एक प्रशंसक ने लिखा, आलिया भट्ट का क्या खतरनाक रूप है। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, आलिया सिर्फ अभिनय नहीं कर रही हैं, वह बस उस क्लारद में जी रही हैं। रंगेंगे खड़े हो गए।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को मिला यूए सर्टिफिकेट, जल्द सिनेमाघरों का रुख करेगी फिल्म

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र न मिलने के मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया। ताजा खबर यह है कि भारी विरोध के बीच इमरजेंसी को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से यूए सर्टिफिकेट मिल गया है। यूए सर्टिफिकेट मिलने का



मतलब यह है कि इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं और 12 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी। फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान जल्द हो सकता है। हालांकि, यूए सर्टिफिकेट मिलने के साथ इमरजेंसी पर सेंसर बोर्ड की कैची भी चली है।

7 लोग बैंगन को तुरंत कर दें टाटा-बाय-बाय...

बैंगन का नाम सुनते ही बहुत से लोग नाक-भौं सिकोड़े लगते हैं। उन्हें यह सब्जी बिल्कुल भी पसंद नहीं होती है लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनका बैंगन फेवरेट होता है। वे इसकी सब्जी, चोखा, भरवा बनाकर खाते हैं, बैंगन एक ऐसी सब्जी है जो सालभर मिलती है। ठंड में इसे ज्यादा खाया जाता है। सर्दी के मौसम में बैंगन हेल्दी बताया जाता है। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल हो सकता है और दिल की बीमारियों में फायदेमंद माना जाता है। कुछ लोगों को बैंगन से दूरी बनाकर रखनी चाहिए, वरना उनके लिए दिक्कतें बढ़ भी सकती हैं। यहां जानिए किन लोगों को बैंगन भूलकर भी नहीं खाना चाहिए।

**बैंगन न खाएं 7 लोग**  
**स्किन एलर्जी-** अगर किसी को शरीर में किसी तरह की एलर्जी है तो उन्हें बैंगन से बनी कोई भी चीज नहीं खानी चाहिए, वरना उनकी एलर्जी और भी ज्यादा बढ़ सकती है। ऐसे लोगों को डॉक्टर बैंगन खाने से बचने की सलाह देते हैं।  
**डिप्रेशन-** ऐसे लोग जिन्हें डिप्रेशन की समस्या है, उन्हें भी बैंगन नहीं खाना चाहिए, क्योंकि डिप्रेशन में लगातार लोग दवाईयां काते हैं और ऐसे में बैंगन शरीर में पहुंचकर दवाओं के असर को कम कर सकता है।  
**खून की कमी-** अगर किसी के शरीर में खून की कमी है तो उन्हें गलती से भी बैंगन नहीं खाना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि बैंगन शरीर में खून बनाने की प्रक्रिया को ही प्रभावित कर सकता है और कई तरह की समस्याएं बढ़ा सकता है।  
**पेट की समस्या-** बैंगन बादी होता है, इसका मतलब इसे खाने से गैस बन सकती है। ऐसे में अगर किसी को गैस या पेट की समस्या होती है तो उन्हें बैंगन से बनी किसी चीज से परहेज करना चाहिए, वरना पेशानी बढ़ सकती है।  
**पाइल्स-** पाइल्स यानी बवासीर बेहद खतरनाक बीमारी है। इसमें डॉक्टर बैंगन खाने से मना करते हैं, ऐसे लोगों अगर गलती से भी बैंगन खा लें तो उनके लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी।  
**आंख की समस्या-** आंखों में जलन, चुभन, एलर्जी और सूजन जैसी समस्याएं हैं तो बैंगन न खाएं, वरना दिक्कतें ज्यादा बढ़ सकती हैं। आंख में होने वाली इन समस्याओं के दौरान बैंगन खाना बिल्कुल भी ठीक नहीं है।  
**किडनी स्टोन-** बैंगन में ऑक्सलेट होता है जो पेट में पथरी बना सकता है। ऐसे में अगर किसी को स्टोन की प्रॉब्लम है तो उन्हें बैंगन नहीं खाना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य- 173

बाएं से दाएं नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. अग्रिय, अरुचिकर 14. में का जाकार, क्रम, पांत 2. लज्जत, इकरार, समझौता, टेका 27. अधिकार 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, जयका 4. कारण, वजह 7. सुंदर होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे 1. एक प्रदेश जिसको राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविदान के समय उच्चरित एक शब्द, भयम 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. शब्द सामर्थ्य क्रमांक 172 का हल

1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30

सू-दोक्- 173

3	7
9	6
7	9
3	8
1	3
8	2
1	2
5	2
6	4
7	8
8	1
9	5
3	6
4	7
5	8
6	9
7	1
8	2
9	3
1	4
2	5
3	6
4	7
5	8
6	9
7	1
8	2
9	3